(b) Approximately Rs. ten crores during 1953-54.]

श्री कृष्णकान्त व्यास : क्या मैं जान सकता हूं कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह खर्च कम हुआ है या बढ़ा है? यदि बढ़ा है तो कितना बढ़ा है?

डा० के० एल० श्रीमाली : मिनिस्ट्री आफ एजूकेशन का खर्च बढ़ा है, जो इस प्रकार है:

सन् १९५२-५३	५ करोड़ ९६ लाख
सन् १९५३-५४	७ करोड़ २५ लाख
सन् १९५४-५५	१५ करोड़ ६४ लाख
	(सम्भवत: खर्च होगा)

श्रीमती शारदा भार्गव : स्वतंत्रता प्राप्ति तो सन् १९४७ के बाद हुई।

डा० के० एल० श्रीमाली : मेरे पास तो सन् १९५२ से १९५५ तक के यानी तीन साल के आंकड़े हैं।

श्री कृष्णकान्त व्यास : इस खर्च में क्या वह राशि भी शामिल है जो एजूकेशन विभाग के बड़े अधिकारियों को दी जाती है?

डा० के० एल० श्रीमाली : एजूकेशन मिनिस्ट्री का जो खर्च है उसमें सभी खर्च आ जाता है।

श्री कृष्णकान्त व्यास : मैं यह पूछना चाहता हूं कि एक्चुअल रूप में शिक्षा पर कितना खर्च हुआ?

डा० के० एल० श्रीमाली : मिनिस्ट्री आफ एजूकेशन का सन् १९५३-५४ में ७ करोड़ २५ लाख खर्च हुआ।

SHRI KISHEN CHAND: May I know from the hon. Parliamentary Secretary whether this expenditure was on higher education or on technical education?

DR. K. L. SHRIMALI: It includes all kinds of education.

SHRI BHUPESH GUPTA: How much of this expenditure has been on any definite scheme for the expansion of education?

DR. K. L. SHRIMALI: I do not have the break-up I want notice to answer that question.

बुनियादी व सामाजिक शिक्षा योजनाओं पर प्रतिवेदन देने के लिए नियुक्त समिति

*४८३. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय सरकार ने बुनियादी व सामाजिक शिक्षा योजना की प्रगति पर अपना प्रतिवेदन देने के लिए जो समिति बनाई थी उसने अब तक क्या काम किया है?

†[COMMITTEE APPOINTED TO REPORT ON BASIC AND SOCIAL EDUCATION SCHEMES

*483. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state the work done so far by the Committee set up by the Central Government to *report on the progress of the* Basic and Social Education schemes?]

शिक्षा मंत्री के संसदीय सचिव (डा० के० एल० श्रीमाली): समिति की बैठक अगस्त १९५४ में हुई जिस में उसने कुछ सिफारिशें कीं। इन सिफारिशों का उद्देश्य यह था कि बुनियादी और सामाजिक शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार की पहली पांच साला योजना को अमल में लाने की मदद मिले।

†[THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): The Committee met in August 1954 and made some recommendations to help the implementation of the First Five Year Plan of the Government of India in the field of Basic and Social Education.]

श्री नवाब सिंह चौहान : मेरा प्रश्न यह था कि जो सिफारिशें थीं उनको पांच साला योजना में कहां तक अमल में लाया गया?

†English translation.

डा० के० एल० श्रीमाली: मैं इस प्रश्न की पूरी व्याख्या कर सकता हूं किन्तु इसमें वक्त लगेगा।

श्री नवाब सिंह चौहान: मुख्तसर में बता दीजिए।

डा० के० एल० श्रीमाली: इसकी अलग अलग सिफारिशें हैं। अगर आप फरमाएं तो मैं सारी सिफारिशें आपके सामने रख सकता हूं। These are some of the actions taken on the recommendations of the Committee. The State Governments have already been informed that any scheme sanctioned under the Plan will normally be continued during the rest of the plan period, though the actual sanction for a particular year will be issued after the estimates have been received from the State Governments. The Ministry of Education have already been deputing some senior officers to go round to all the States to see how the schemes implemented by the State Governments under the Five Year Plan are working. The State Governments have already been informed that the new basic schools to be started in any State should be located in compact areas, not scattered over the State, and trained supervisory staff should be appointed for a group of 50 to 60 such schools. This supervisory personnel should be constantly available for the guidance and supervision of the techniques of basic education.

MR. CHAIRMAN: He is satisfied; that will do.

श्री नवाब सिंह चौहान : इनके मुताबिक अब तक क्या हुआ है, आप बतला सकते हैं?

डा० के० एल० श्रीमाली: आपने पूछा था कि क्या सिफारिशें की गई हैं और उन पर सरकार ने क्या किया वह मैं समझ रहा था।

श्री कृष्णकान्त व्यास: क्या मैं जान सकता हूं कि इस समिति को सिफारिश किए हुए कितने दिन हुए?

डा० के० एल० श्रीमाली: समिति जुलाई सन् १९५४ में नियुक्त हुई थी।

श्री कृष्णकान्त व्यास: अब तक उसकी कितनी बैठकें हुई हैं?

डा० के० एल० श्रीमाली: एक बैठक हुई है।

डा० रघुबीर सिंह: पंचवर्षीय योजना के तीन साल व्यतीत हो जाने के बाद यह समिति कायम हुई। क्या इन तीन सालों में कोई काम नहीं हुआ होगा?

डा० के० एल० श्रीमाली: जिस समय कमेटी नियुक्त हुई थी उस समय इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि स्कीमों पर किस तरह से कार्य हो रहा है उसको देखे और यह समिति उस सम्बन्ध में उचित सिफारिश करे। इस समिति ने कुछ सिफारिशें की हैं और उन पर सरकार कार्यवाही कर रही है। यह आवश्यक नहीं है कि कमेटी बार बार मिला करे।

श्री नवाब सिंह चौहान: कमेटी के मेम्बर कौन कौन हैं?

DR. K. L. SHRIMALI: The Committee consists of the following members:

1. Dr. Zakir Hussain,
2. Shri J. C. Mathur, Secretary, Education Department, Bihar,
3. Shri Avinashlingam Chettiar,
4. Dr. K. L. Shrimali,
5. Shri A. R. Deshpande,
6. Dr. Siddalingapa, Principal, Rashtriya Vidyalaya, Teachers' College, Bangalore.
7. Shri K. N. Srivastava,
8. Shri K. G. Saiyidain of the Ministry of Education; and
9. Dr. R. K. Bhan of the Ministry of Education.

श्री कृष्णकान्त व्यास: इस समिति ने जो सिफारिशें की हैं गवर्नमेंट ने उनमें से कितनों को माना है?

डा० के० एल० श्रीमाली: लगभग सभी सिफारिशों पर गवर्नमेंट ने कुछ न कुछ कार्यवाही की है।

डा० पी० सी० मित्रा: सोशल एजुकेशन स्कीम के भीतर कौन कौन सी चीजें हैं?

डा० के० एल० श्रीमाली: इन सब की लिस्ट बहुत लम्बी है।

डा० पी० सी० मित्रा: दो चार बातें तो बतलाइए।

डा० के० एल० श्रीमाली: सोशल एजुकेशन का जो काम है उसका मुख्य उद्देश्य यह है कि लोगों में आर्थिक और सामाजिक ज्ञान उत्पन्न हो। हमने जो लोकतंत्र कायम किया है उसके सम्बन्ध में ठीक दृष्टिकोण बने और इसी तरह की बातों की शिक्षा दी जाती है।

DIAMOND MINING INDUSTRY IN INDIA

*484 SHRI M VALIULLA Will the Minister for NATURAL RESOURCES AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to state:

(a) how much amount Government have spent, so far, on prospecting for diamonds, and

(b) whether any modern machinery has been set up by the Indian Bureau of Mines for prospecting of the Diamond Fields?

THE MINISTER FOR NATURAL RESOURCES (SHRI K D MALAVIYA) (a) Rs 7 274/10/- have been spent on travelling allowance and contingent expenditure of the officers of the Indian Bureau of Mines, who visited diamond bearing areas in Vindhya Pradesh and South India in connection with the study of the disposition of diamond formations for planning detailed prospecting

(b) No, Sir.

SHRI M VALIULLA: Is it a fact that Government had asked for foreign assistance in setting up the machinery for the purpose of diamond prospecting?

SHRI K D MALAVIYA. Government have not asked for any foreign assistance, but the Punna Diamond Mining Syndicate, an Indian concern, has asked for Russian technical advice and help to develop diamond mining.

SHRI M VALIULLA Now that they have come how is the work going on?

SHRI K D MALAVIYA: I may inform the hon. Member that their scheme is progressing and if it ultimately develops according to their plans, they will produce about 2,000 carats of diamond per day.

SHRI M VALIULLA: Is Government aware that Golconda was a big diamond field in ancient times and if so, is anything being done in this field?

SHRI K D MALAVIYA: The Indian Bureau of Mines have sent their officers to examine and make a preliminary study of it

SHRI T V KAMALASWAMY: Is any prospecting being done in the Andhra State?

SHRI K D MALAVIYA: As I said, preliminary examination has been made and we have included the survey programme for this winter season.

DR P C MITRA I want to know whether any new diamond fields have so far been located.

SHRI K D MALAVIYA Some diamond fields are already known to us from olden times

DR P C MITRA New mines.

SHRI K D MALAVIYA: I am not aware of any new diamond mines.